रहा है और सरकार यह आशा करती है कि इसके परिणामस्वरूप जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम के कार्यनिष्पादन में उत्तरोत्तर सुधार होगा।

Spread of AIDS in Gujarat

2043. SHRI AHMED PATEL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that AIDS cases are on the rise in the State of Gujarat;

(b) if so, the details of AIDS cases detected in the State during the last three years, year-wise and district-wise; and

(c) the remedial measures taken by Government to prevent the dreaded disease in the State from spreading?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI SURESH PRABHU): (a) and (b) The details in respect of AIDS cases in Gujarat during 3 years is as under:—

1995	—	24
1996	—	128
1997	—	134

The National AIDS Control Organisation (NACO) maintains State-wise data only.

(c) The Government of Gujarat proposes to take a number of remedial measures during 1998-99 to prevent the spread of HIV/AIDS. These include activating the functioning of the State Council for Blood Transfusion, effecting improvements in the quality of care of STD services in Government facilities and extending the existing surveillance activities. Besides the proposed strengthening of the State AIDS Cell would contribute to better prevention of the spread of HIV/AIDS. It is also proposed to target the vulnerable population groups for dissemination of information about the transmission and prevention of HIV/AIDS.

एड्स रोगियों के संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े

2044. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:**
श्रीमती शबाना आज़मी:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में प्रकाशित किया है कि सन् 2000 तक संसार में 30 से 40 मिलियन लोगों के एड्स रोग से पीड़ित होने की सम्भावना है, जिसमें 5 मिलियन रोगी भारतीय होंगे;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है;

(ग) क्या सरकार ने "एड्स" रोग के खतरों को देखते हुए एड्स निरोधक कदम उठाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई कार्य योजना तैयार की है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्री (श्री सुरेश प्रभु): (क) यूनेड्स/विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी रिपोर्टों में से एक रिपोर्ट में बहिर्वेशन के आधार पर बताया है कि विश्व में 2000 ईसवीं तक 40 मिलियन से अधिक लोग एच. आई.वी. (न कि एड्स रोगी) से ग्रस्त होंगे जिसमें से 2.5 मिलियन एच.आई.वी. से संक्रमित लोग भारतीय होने का अनुमान लगाया गया है।

(ख) सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन/यूनेड्स से आवश्यक स्पष्टीकरण मांगा है जिन्होंने बताया कि यह रिपोर्ट, अन्य बातों के साथ-साथ जानपदिक रोग विज्ञान संबंधी अध्ययनों, जनसंख्या आकार, सूचित किए गए एड्स के रोगियों इत्यादि के तथ्यों पर आधारित थी और यह एक अनुमान था।

(ग) और (घ) भारत में एच.आई.वी./एड्स के निवारण और इसे फैलने से रोकने के लिए देश भर में इस समय एक वृहद कार्यक्रम एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है। मुख्य कार्य-नीतियों में निम्नलिखित बातें हैं:-

(i) केन्द्र और राज्य स्तर पर कार्यक्रम प्रबंध क्षमताओं का सुदृढ़ीकरण;

(ii) एच.आई.वी./एड्स के बारे में उच्च जोखिम आचरण वाले समूहों और आम जनता में जागरूकता उत्पन्न करना;

(iii) यौन संचारित रोगों की रोकथाम;

(iv) रक्त बैंकों को उपयुक्त रूप से लाइसेंस देने

की बात लागू करके रक्त निरापदता को बढ़ावा देना और रक्त का युक्तिसंगत उपयोग;

(v) निगरानी और निदान के लिए क्षमता का सुदृढ़ीकरण; और

(vi) एच.आई.वी./एड्स के रोगियों के नैदानिक उपचार में प्रशिक्षण प्रदान करना।

दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों की कमी

2045. **श्रीमती शबाना आज़मी:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में कार्य करने हेतु डॉक्टरों की स्वीकृत संख्या की तुलना में कम डॉक्टर कार्यरत हैं;

(ख) यदि हां, तो दिल्ली के प्रत्येक सरकारी अस्पताल के लिए डॉक्टरों की स्वीकृत संख्या कितनी-कितनी है और मई, 1998 की स्थिति के अनुसार उनमें कितनी-कितनी संख्या में डॉक्टर कार्यरत थे; और

(ग) डॉक्टरों को निर्धारित संख्या से कम संख्या में नियुक्त करने के क्या कारण थे और सभी रिक्त पद कब तक भर दिये जाने की संभावना है?

पर्यावरण और वन मंत्री (श्री सुरेश प्रभु): (क) से (ग) दिल्ली में केन्द्रीय सरकार के अस्पतालों में केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के स्वीकृत पदों की संख्या नीचे दी गई है:-

अस्पतालों का नाम	स्वीकृत संख्या	भरे हुए
डॉ॰ राम मनोहर लोहिया अस्पताल	162	123
लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं सम्बद्ध अस्पताल	146	133
सफदरजंग अस्पताल	271	218
	579	474

केन्द्रीय सरकार के अस्पतालों में सेवानिवृत्ति, त्याग-पत्र देने, पदों के सृजन, मृत्यु आदि के कारण डॉक्टरों के स्थान खाली होते रहते हैं। रिक्त पदों को भरने के लिए संघ लोक सेवा आयोग को मांगपत्र भेजे जा चुके हैं।

देश में एड्स रोगी

2046. **श्री ओंकार सिंह लखावत:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस समय एड्स रोगियों की राज्यवार संख्या कितनी है; और

(ख) देश में एड्स से अब तक कुल कितने व्यक्ति मर चुके हैं?

पर्यावरण और वन मंत्री (श्री सुरेश प्रभु): (क) 31 मई 1998 तक भारत में एड्स रोगियों की कुल संख्या 6062 है। राज्यवार ब्यौरा विवरण में संलग्न है। (नीचे देखिए)

(ख) 31 दिसम्बर, 1997 तक सूचित की गई एड्स से संबंधित कुल मौतों की संख्या 1039 है।

विवरण

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम भारत, भारत में एड्स रोगी (रा॰ ए॰ नि॰ संगठन को सूचित किए गए)

(31 मई, 1998 की स्थिति के अनुसार)

क्र॰ सं॰	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	एड्स रोगी
1.	आंध्र प्रदेश	43
2.	असम	22
3.	अरुणाचल प्रदेश	0
4.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	0
5.	बिहार	3
6.	चंडीगढ़ (संघ राज्यक्षेत्र)	
7.	पंजाब	100
8.	दिल्ली	214
9.	दमन एवं द्वीव (संघ राज्यक्षेत्र)	1
10.	दादर एवं नगर हवेली	0
11.	गोवा	12
12.	गुजरात	134
13.	हरियाणा	1
14.	हिमाचल प्रदेश	9
15.	जम्मू और कश्मीर	2
16.	कर्नाटक	136
17.	केरल	106
18.	लक्ष्य द्वीप (संघ राज्यक्षेत्र	0
19.	मध्य प्रदेश	208